पश्चाताप - 2

अव्यक्त बापदादा :-

एक सेकेण्ड में अपने को अपने सम्पूर्ण निशाने और नशे में स्थित कर सकते हो? सम्पूर्ण निशाना क्या है, उसको तो जानते हो ना। **जब सम्पूर्ण निशाने पर स्थित हो जाते हैं,तो नशा तो रहता ही है।** अगर निशाने पर बुद्धि नहीं टिकती तो नशा भी नहीं रहेगा। निशाने पर स्थित होने की निशानी है-नशा। तो ऐसा नशा सदैव रहता है? जो स्वयं नशे में रहते हैं वह दूसरों को भी नशे में टिका सकते हैं।

जैसे कोई हद का नशा पीते है तो उनकी चलन से, उनके नैन-चैन से कोई भी जान लेता है- इसने नशा पिया हुआ है।

इसी प्रकार यह जो सभी से श्रेष्ठ नशा है, जिसको ईश्वरीय नशा कहा जाता है, इसी में स्थित रहने वाला भी दूर से दिखाई तो देगा ना। दूर से ही वह अवस्था इतना महसूस करे -यह कोई ईश्वरीय लगन में रहने वाली आत्मायें हैं। ऐसे अपने को महसूस करते हो? जैसे आप कहां भी आते जाते हो तो लोग देखने से ही समझे कि यह कोई प्रभु की प्यारी न्यारी आत्मायें हैं... ऐसे अनुभव करते हैं?

भक्ति-मार्ग में भी ऐसी आत्मायें होती हैं। उन्हों के नैन-चैन से प्रभ-प्रेमी देखने आते हैं तो ऐसी स्थिति इसी दुनिया में रहते हुए, ऐसी कारोबार में चलते हुए समझते हो कि यह अवस्था रहेगी या सिर्फ लास्ट में दर्शन-मूर्त की यह स्टेज होगी?

➢➢ नशा कब चडता है ?(चाहे हद का नशा या बेहद का नशा)

➳ _ ➳ Quantity

→ ज्यादा लिया जाए

- ज्यादा चिंतन / मनन / अधयन्न

➳ _ ➳ Frequency

→ बार बार लिया जाए

- सुबह जो मुरली सुनी... वह Raw Material था
- दिन भर अब उसका विस्तार कीजिये

➳ _ ➳ Neat

→ उसे Dilute न किया जाए

- अव्यक्त मुरली थोड़ी सी पड़ो... पर उस बार ज्यादा सोचो

➳ _ ➳ Only One

→ उसके साथ कुछ और न लिया जाए

- सांसरिक नशों को साथ साथ लेकर रूहानी नशे को कम नहीं करना है

➳ _ ➳ Group

→ जब संगठन में लिया जाए

- सिर्फ एक तरफ चर्चा नहीं

➢➢ रूहानी नशे में रहने वाली आत्माओं के लक्षण

➳ _ ➳ बेफिक्र बादशाह / बेगमपुर का बादशाह

→ कोई चिंता नहीं / कोई फिक्र नहीं

➳ _ ➳ एकरस

→ सांसरिक रसो से उपराम

- इस संसार में उनकी आँख कहीं भी नहीं डूबती

→ कोई नाम मान शान की इच्छा नहीं

→ परम तृप्ति की अवस्था

➳ _ ➳ चेहरा और चलन में दिव्यता

→ हर परिस्थिति में उस एक के प्रति कृतज्ञता का भाव

➢➢ स्वयं को नशा कैसे चड़ाये ?

➳ _ ➳ स्वयं से बातें

→ अपने द्वारा play किये जा रहे पार्ट से स्वयं को अलग कर ... स्वयं से बातें करना

➳ _ ➳ अपनी घोट तो नशा चडे